पेपर कोड – 03

विषय कोड – AyUG-RB-I

बी०ए०एम०एस० द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा–2025

रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना

(आयुर्वेदीय औषधि निर्माण विज्ञान)

प्रश्न पत्र – प्रथम

समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) प्रत्येक 1 अंक

1. सस्यक का रासायनिक सूत्र है :
   (A) $CuFeS_2$ (B) $CuSo_4.7H_2O$ (C) $CuSo_4$ (D) Fe_2S_3
2. किसी द्रव्य को अग्नि तप्त कर द्रव में बुझाने की प्रक्रिया को कहते हैं :
   (A) आवाप (B) निर्वाप (C) ढालन (D) भर्जन
3. धातु भस्मों हेतु धन्वन्तरि भाग होता है :
   (A) 1/2 (B) 1/8 (C) 1/7 (D) 1/4
4. चूर्ण निर्माण हेतु प्रयुक्त यन्त्र है :
   (A) Pulverizer (B) Granulator (C) Dryer (D) Pyrometer
5. रसादि द्रव्य पाकानां प्रमाण ज्ञापनं _____ :
   (A) यन्त्रं (B) पुटम् (C) अग्निम् (D) हित मौषधम्
6. चूर्ण किस कल्पना की उपकल्पना है :
   (A) स्वरस (B) क्वाथ (C) हिम (D) कल्क
7. यन्त्र निष्पीडन के परिमाण स्वरूप निर्मित कल्पना है :
   (A) क्वाथ (B) हिम (C) फाण्ट (D) स्वरस
8. 'तोय अग्नि सन्निकर्ष' द्वारा निर्मित कल्पना है :
   (A) स्वरस (B) हिम (C) क्वाथ (D) मन्थ
9. निम्न में एक अवलेह सिद्धि लक्षण है :
   (A) स्थिरत्वं (B) घनत्वं (C) फेन उदगम (D) निःशब्द
10. मण्ड निर्माण हेतु प्रयुक्त जल की मात्रा होती है :
    (A) 14 गुना (B) 8 गुना (C) 6 गुना (D) 10 गुना
11. खेचर पर्याय पारद के किस लक्षण को दर्शाता है :
    (A) स्वरूप को (B) गति को (C) दर्शन को (D) देवरूप को
12. स्वर्ण माक्षिक का ग्राह्य लक्षण होता है :
    (A) कोण रहित (B) भारहीन (C) प्रवृत कोण (D) कृष्ण वर्ण
13. हिङ्गुल शोधन में प्रयुक्त द्रव्य है :
    (A) आद्रर्क स्वरस (B) कूष्माण्ड स्वरस (C) कारवेल्लक स्वरस (D) अगस्त्य पत्र स्वरस

14. आरोग्यवर्धनी वटी में प्रयुक्त भस्म है :
(A) ताम्र (B) माक्षिक (C) मण्डूर (D) स्वर्ण

15. मयूर कण्ठ संच्छाय किसका ग्राह्य लक्षण है :
(A) कासीस (B) सस्यक (C) नीलम (D) अभ्रक

16. विमल के भेद होते है :
(A) 1 (B) 3 (C) 2 (D) 4

17. आचार्य सुश्रुत के अनुसार क्षार निर्माण हेतु प्रयुक्त जल की मात्रा होती है :
(A) 4 गुना (B) 3 गुना (C) 6 गुना (D) 2 गुना

18. कूपीपाक द्वारा निर्मित योग है :
(A) कज्जली (B) रस सिन्दूर (C) रस पर्पटी (D) हेमगर्भ पोट्टली

19. गोमय पिधानक का प्रयोग किस रसायन के निर्माण में होता है :
(A) पर्पटी (B) पोट्टली (C) कज्जली (D) रससिन्दूर

20. Labelling तथा Packing से सम्बन्धित Rule है :
(A) 161 (B) 160 (C) 151 (D) 158

लघुउत्तरीय प्रश्न (SAQ) प्रत्येक 5 अंक

21. वैदिक कालीन भैषज्य कल्पना के विकास को स्पष्ट करें।
22. पारद के ग्राह्य अग्राह्य लक्षण का वर्णन करें।
23. स्वेदन यन्त्र का सचित्र वर्णन करें।
24. पुट को परिभाषित करते हुए कुक्कुट पुट का वर्णन करें।
25. स्नेह कल्पना की निर्माण विधि तथा सिद्धि लक्षण को लिखें।
26. अभ्रक के शोधन, मारण तथा अमृतीकरण को लिखें।
27. क्षार कल्पना की निर्माण विधि का वर्णन करें।
28. Spurious Drug का वर्णन Drug and Cosmetics Act 1940 के अनुसार करें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ) प्रत्येक 10 अंक

29. कषाय कल्पना को परिभाषित कर चूर्ण कल्पना की परिभाषा, निर्माण विधि, सिद्धान्त तथा संरक्षण विधि का वर्णन करें।
30. पथ्य कल्पना को परिभाषित करें। पथ्य कल्पना का महत्व तथा Related Research updates लिखें।
31. पारद के अष्ट संस्कार का वर्णन करें।
32. कूपी पक्व को परिभाषित करें। कूपीपक्व रसायन की निर्माण विधि तथा सिद्धि लक्षण को लिखें।

●●●●